Regarding grant of central university status to Rajasthan University-Laid

श्रीमती मंजू शर्मा (जयपुर) : मैं मेरे संसदीय क्षेत्र जयपुर के एक महत्वपूर्ण विषय की तरफ ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। राजस्थान विश्वविद्यालय मेरे संसदीय क्षेत्र जयपुर शहर में स्थापित है जो कि लगभग 300 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। यह राजस्थान का सबसे बड़ा प्राचीन विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 8 जनवरी 1947 को राजपूताना विश्वविद्यालय के नाम से हुई थी। सन 1956 में इसका नाम राजपूताना विश्वविद्यालय से राजस्थान विश्वविद्यालय कर दिया गया था। डॉक्टर मोहन सिंह मेहता इसके प्रथम और संस्थापक उप कुलपति थे। राजस्थान विश्वविद्यालय आज राजस्थान में शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र है। देश-विदेश के विद्यार्थी जैसे कि नेपाल, बांग्लादेश, नाइजीरिया, जर्मनी, फ्रांस आदि देशों के विद्यार्थी यहां पर अध्ययन हेतु आते हैं। राजस्थान विश्वविद्यालय से वर्तमान में 400 कॉलेज संबंध हैं। इससे पूर्व 1962, 1967 और 1987 तक संपूर्ण राजस्थान इस विश्वविद्यालय से ही संबंध रहा है। राजस्थान विश्वविद्यालय गूगल पर सर्च करने वाली टॉप विश्वविद्यालयों में से एक Â है। विश्वविद्यालय ने पूर्व राष्ट्रपति श्री भैरव सिंह शेखावत, नीति आयोग के अध्यक्ष श्री अरविंद पनगढ़िया सहित इकबाल नारायण, राजा चलप्पा,Â एम कृष्णा जैसी बड़ी हस्तियां दी है। राजस्थान विश्वविद्यालय ने अपनाÂ 74 एवं 75 वां स्थापना दिवस मनाया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर, मोरारजी देसाई, पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर जाकिर हुसैन, श्रीमती प्रतिभा पाटिल, प्रोफेसर यशपाल, पूर्व उपराष्ट्रपति डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा, पूर्व हाई कमिश्नर एम एल सिंघवी आदि महान विभूतियों ने विश्वविद्यालय में विजिट की है वर्ष 1991 में विज्ञान कांग्रेस इस विश्वविद्यालय में हुई थी। जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री पी वी नरसिंह राव जी ने भी शिरकत की Â थी। विश्वविद्यालय में 37 विभाग 7 महाविद्यालय एवं 10 केंद्र हैं।Â इसमें 29000 नियमित एवं लगभग 7 लाख स्वयं पाठी छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं। विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र के शिक्षकों एवं शोधार्थियों के नाम से पेटेंट विश्वविद्यालय की धरोहर है। राजस्थान का सबसे अधिक गुणात्मक शिक्षा एवं शोध का आदर्श विश्वविद्यालय अपनी शोध क्षमता का अनेक बार लोहा बनवा चुका है। मेरा माननीय शिक्षा मंत्री जी से आग्रह है कि इस विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान करने की कृपा करें जिससे न केवल राजस्थान का अपितु भारत देश का मान बढ़ेगा।